



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139]
No. 139]

नई दिल्ली, बृद्धवार, अप्रैल 13, 1983/चैत्र 23, 1905
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 13, 1983/CHAITRA 23, 1905

इस भाग में खिल्ली पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकाशन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

पर्यावरण विभाग

भ्रष्टाचारना

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1983

सा. का. नि. 328(अ).—केन्द्रीय सरकार, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की भारा 44 की उपभारा (4) के संह (ख) के साथ पठित भारा 63 की उपभारा (1) के संह (कक) द्वारा प्रवत्त क्षमितायों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अधार्त:—

- संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वन्य जीव (संरक्षण) अनुज्ञापन (विचारार्थ अतिरिक्त विषय) नियम, 1983 है।
- (2) इनका विस्तार, जम्मू कश्मीर राज्य के सिवाय सम्पूर्ण भारत पर है।
- (3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, 'अधिनियम' से वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) अभिप्रते है।

3. अधिनियम की भारा 44 के वधीन अनुज्ञित देने के लिए विचारार्थ अतिरिक्त विषय:—अधिनियम की भारा 44 की उपभारा (1) में निविदैष्ट कोई अनुज्ञित देने के प्रयोजनों के लिए, यथास्थिति, मूल्य वन्य जीव संरक्षक या प्राधिकृत अधिकारी उस भारा की उपभारा (4) के संह (ख) में विनिविदैष्ट विषयों के अतिरिक्त निम्नलिखित वन्य विषयों पर भी ध्यान देगा, अर्थात्:—

- (1) ऐसे कारबाह के लिए सुविधाओं, उपस्कर और परिसरों की उपयुक्तता के प्रतिनिधेय संबंधित कारबाह का प्रबन्ध करने की आवेदक की क्षमता;
- (2) जोत और वह रीति जिससे संबंधित कारबाह लिए प्रदाय अभिप्राप्त किए जाएंगे;
- (3) संबंधित क्षेत्र में सुसंगत कारबाह के लिए पह विद्यमान अनुज्ञितयों की संख्या;
- (4) संबंधित वन्य प्राणी के बाल्टे या व्यापार ऐसी अनुज्ञित के देने से होने वाला प्रभाव

परन्तु यदि उक्त प्रभाव, अधिनियम की अन्ती 1 या अनुसूची 2 के भाग 2 में विनिविदैष्ट किसी अन्य प्रा से संबंधित

है तो ऐसी अनुकूलित कोन्वीय सरकार से पूर्व परामर्श करके ही दी जाएगी, अन्यथा नहीं।

[फ. सं. 1-20/81-एफ.आर.वाई. (उम्मीदवाल)]
समर सिंह, संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th April, 1983

G.S.R. 328(E).—In exercise of the powers conferred by clause (aa) of sub-section (1) of section 63, read with clause (b) of sub-section (4) of section 44 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title, extent and commencement.**—These rules may be called the Wild Life (Protection) Licensing (Additional Matters for Consideration) Rules, 1983.

(2) They shall extend to the whole of India except the State of Jammu & Kashmir.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definition.**—In these rules, unless the context otherwise requires, “Act” means the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972).

3. **Additional matters for consideration for grant of licence under section 44 of the Act.**—For the purposes of granting a licence referred to in sub-section (1) of section 44 of the Act, the Chief Wild Life Warden or the authorised officer, as the case may be, shall, in addition to the matters specified in clause (b) of sub-section (4) of that section, have regard to the following other matters, namely :—

- (i) capacity of the applicant to handle the business concerned with reference to facilities, equipment and suitability of the premises for such business;
- (ii) source and the manner in which the supplies for the business concerned would be obtained;
- (iii) number of licences for the relevant business already in existence in the area concerned;
- (iv) implications which the grant of such licence would have on the hunting or trade of wild animals concerned :

Provided that no such licence shall be granted if the said implications relate to any wild animal specified in Schedule I or Part II of Schedule II to the Act, except with the previous consultation of the Central Government.

[F. No. 1-20/81-FRY (WL)]
SAMAR SINGH, Jt. Secy.